प्रोफे॰ (डा॰) प्रदीप कुमार जोशी
अध्यक्ष
Prof. (Dr.) Pradeep Kumar Joshi
CHAIRMAN

सत्यमेव जयते

संघ लोक सेवा आयोग
धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड,
नई दिल्ली–110069
UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
Dholpur House, Shahjahan Road,
New Delhi-110069
Tel. : (91-11) 23381688
Fax : (91-11) 23381145

संदेश

दिनांक : 01/10/2020

प्रिय साथियों,

संघ लोक सेवा आयोग के 94वें स्थापना दिवस के अवसर पर मैं आयोग में मेरे सहयोगी सदस्यों और सभी माननीय पूर्व-अध्यक्षों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैं आयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी अपनी ओर से शुभकामनाएं देता हूं। मौजूदा महामारी की स्थिति के कारण हम एक साथ आयोग का स्थापना दिवस नहीं मना पा रहे हैं जैसा कि हम प्रति वर्ष मनाते रहे हैं। फिर भी इस विशेष दिवस पर आप सभी को मेरी ओर से शुभकामनाएं।

2. साथियों, पांच वर्ष से अधिक अवधि तक सदस्य के रूप में सेवारत रहने के पश्चात, मैंने हाल ही में आयोग के अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया है। इस महान संस्था का हिस्सा बनना और आयोग में कार्य करने का अवसर पाना, हम सभी का परम सौभाग्य है। हमारी ताकत उस बुद्धिमत्ता और विवेक में निहित होती है जो माननीय सदस्यगण अपने समृद्ध और विविध पेशेवर पृष्ठभूमि के आधार पर आयोग में लाते हैं। हम इस मूलतत्व को संरक्षित करने का प्रयास करते हैं।

3. इस अवसर पर हम आयोग के भरोसे और उपलब्धियों पर जोर देते हुए हमारी परम्पराएं और परिपाटियों की गरिमा और शुचिता जो वर्षों के समर्पित कठोर परिश्रम और व्यापक परामर्शी प्रक्रिया के माध्यम से विकसित हुई है, को बरकरार रखते हुए इसे तसदीक और सुदृढ करना है। हाल ही में आयोग की परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया को निहित स्वार्थी समूहों द्वारा चुनौती देने और हानि पहुंचाने के दृष्टांत मिले हैं। हमें ऐसे तत्वों से सुरक्षा के लिए सामूहिक रूप से सतर्क रहना है और हमारे सुदृढ प्रबल सिद्धान्तों और उच्च मानकों में विश्वास बनाए रखना है। आयोग हमेशा ही संविधान में निहित मूल्यों को बरकरार रखने में बेबाक रहा है और मेरा दृढ विश्वास है कि हम परिपाटी के साथ हमारे संवैधानिक दायित्वों को प्राप्त करने में समर्थ होंगे।

4. पिछले कुछ महीनों में हमने कोविड-19 के प्रकोप को देखा है जिसने एक अप्रत्याशित वैश्विक स्वास्थ्य संबंधी संकट पैदा किया है जिससे देशभर में संस्थाओं की सामान्य कार्यप्रणाली और जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इस संकट में आयोग के माननीय सदस्य, अधिकारी और कर्मचारी चुनौती के सामने खड़े रहे है और उनको सौंपे गए विभिन्न कार्यों को पूरा किया है। डीपीसी और प्रतिनियुक्ति के मामलों, सीधी भर्ती के मामलों, अनुशासनिक मामलों आदि को कोविड-19 द्वारा उत्पन्न विभिन्न अवरोधों के बावजूद निपटा रहे हैं। यह अत्यधिक सराहनीय है कि आयोग ने कोविड-19 महामारी से प्रभावित हुए बिना और विहित दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी निवारक उपाय करते हुए 41 केन्द्रों के 1266 स्थानों पर 6 सितम्बर, 2020 को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा (I) एवं (II) 2020 का सुचारु रूप से सफल आयोजन किया। किसी भी केन्द्र से अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

5. आयोग ने कोविड-19 महामारी के बीच सिविल सेवा परीक्षा, 2019 के शेष 623 उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण जुलाई, 2020 के दूसरे पखवाड़े में आयोजित किया और दिनांक 4/8/2020 को अंतिम परिणाम घोषित किया गया। मैं सभी माननीय सदस्यों और अधिकारियों को व्यक्तित्व परीक्षण बोर्डों के आयोजन में उनके पूर्ण सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हूं।

6. पिछले कुछ वर्षों के दौरान, सभी संबंधितों के एकाग्र प्रयासों से परीक्षा संबंधी सभी पारस्परिक क्रियाएं और लेन-देन ऑनलाइन हो गए हैं। परीक्षाओं का आयोजन करना नि:संदेह सर्वाधिक संवेदनशील और तनावपूर्ण कार्य है। हमारे सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। मैं उन्हें उनके दृढ़ संकल्प और कठोर परिश्रम के लिए धन्यवाद देता हूं।

7. कोविड-19 वायरस के प्रकोप से बचाव हेतु आयोग कार्यालय में नियमित रूप से निवारक उपाय किए जा रहे हैं । इन उपायों में थर्मल स्कैनिंग, महत्वपूर्ण स्थानों पर स्वचालित एवं पैरों से प्रचालनीय सैनिटाइजर डिस्पेंसरों का स्थापन, कार्यालयों में हैंड सैनिटाइजर की उपलब्धता तथा टच-लैस सोप डिस्पेंसर्स का प्रावधान तथा ज्यादा लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले प्रसाधनों में सेंसर आधारित या कुहनी से प्रचालन किए जाने वाले नल शामिल हैं । आयोग के सभी कार्यालयों तथा वाहनों को प्रत्येक सप्ताह के अंत में निश्चित रूप से सैनिटाइज किया जाता है। कोविड की रोकथाम के संबंध में सामान्य शाखा द्वारा सक्रिय सहयोग अत्यन्त सराहनीय है।

8. 1 अप्रैल 2019 से आयोग ने अनुकरणीय कार्य प्रदर्शन किया है और मैं कुछ प्रमुख उपलब्धियों को यहां दर्शाना चाहूंगा:---

i. 87 चयन समिति और समीक्षा चयन समिति बैठकें आयोजित की गईं जिनमें विभिन्न राज्यों के 1814 अधिकारियों के नामों पर विचार किया गया और 672 अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवाओं में शामिल करने के लिए संस्तुत किया गया। विभिन्न राज्यों में डीजीपी (पु.ब.प्रमुख) के पद हेतु नियुक्ति के लिए पैनल तैयार करने के लिए नामिकायन समिति की 14 बैठकें आयोजित की गईं।

ii. एकल विंडो प्रणाली (ए.वि.प्र.) के अंतर्गत 130 विभागीय प्रोन्नति समिति प्रस्ताव स्वीकृत किए गए थे। वर्ष 2020-21 की अवधि के दौरान (31 अगस्त, 2020 तक) डीपीसी प्रस्तावों के निपटान के लिए डीपीसी हेतु कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के मॉडल कैलण्डर में प्रावधान के अनुसार एसीसी मामलों के लिए 135 दिन और गैर-एसीसी मामलों के लिए 180 दिन की निर्धारित समय सीमा की तुलना में औसत समय 47 दिन था।

iii. आयोग में भर्ती नियम तैयार करने, संशोधन निगरानी प्रणाली (आरआरएफएएमएस) के कार्यान्वयन के उपरांत, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों को अब आयोग द्वारा ऑनलाइन प्राप्त किया जा रहा है और ऐसे मामलों में आयोग की सलाह भी संबंधित मंत्रालयों / विभागों को ऑनलाइन दी जाती है। इस अवधि के दौरान, 687 पदों के भर्ती नियमों के संबंध में आयोग द्वारा सलाह प्रदान की गई।

iv. भर्ती आवेदनों की ऑनलाइन संवीक्षा सुविधा के लिए पोस्ट प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर का एक नया संस्करण प्रारम्भ किया गया है। इससे अपूर्ण दस्तावेजों के कारण आवेदनों की अस्वीकृति को कम करने में सहायता मिली है।

v. आयोग की भर्ती शाखा द्वारा एक अनुरोध निगरानी प्रणाली (आरएमएस) शुरू की गई है। भर्ती शाखा में ई-अपाइंटमेंट प्रणाली शुरू की गई है, जिसके उपयोग से, इंडेंटिंग मंत्रालयों / विभागों द्वारा एकल विंडो प्रणाली के तहत भर्ती प्रस्तावों को प्रस्तुत करने के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट ले सकते हैं।

vi. एक विशेष मामले के रूप में आयोग ने अनुबंध के आधार पर संयुक्त सचिव स्तर के पदों पर पार्श्व भर्ती प्रक्रिया को प्रक्रियाबद्ध किया है।

vii. आयोग की विभिन्न शाखाओं का पुनर्गठन कार्य पूर्ण किया गया है तथा विभिन्न पदों हेतु संशोधित भर्ती नियमों की अधिसूचना की प्रक्रिया जारी है। परीक्षा सुधार शाखा के अधिकारियों के लिए सी-पोज़र योजना तैयार करने का कार्य पूरा हो गया है।

viii. सम्मिलित भू-वैज्ञानिक एवं भू-विज्ञानी परीक्षा के संबंध में आयोग ने समिति की सिफारिशों को अनुमोदित किया। इस संशोधित पाठ्यक्रम / पैटर्न को वर्ष 2020 परीक्षा के साथ प्रभावी बनाया गया (नए नाम अर्थात् सम्मिलित भू-वैज्ञानिक परीक्षा के साथ) जो कि 25 सितम्बर, 2019 को अधिसूचित हुआ था। यह परीक्षा अब तीन चरणों अर्थात् प्रारंभिक परीक्षा, प्रधान परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षण / साक्षात्कार के रूप में आयोजित की जाएगी। प्रारंभिक परीक्षा कम्प्यूटराइज्ड मोड में 19.01.2020 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

ix. असंस्तुत उम्मीदवारों के स्कोर एवं अन्य विवरण प्रकटन के लिए सार्वजनिक प्रकटीकरण योजना को सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 2017 के साथ क्रियान्वित किया गया है। इस योजना के अंतर्गत ऐसे असंस्तुत इच्छुक उम्मीदवार आते हैं जो आयोग की परीक्षा में साक्षात्कार के चरण में उपस्थित हुए हों। इस योजना का उद्देश्य अन्य नियोक्ताओं को उपयोगी डाटाबेस उपलब्ध करवाना होता है ताकि वे रोजगार दिए जाने योग्य उम्मीदवारों की पहचान कर सकें।

x. आयोग की वेबसाइट अब द्विभाषी रूप में अर्थात् हिन्दी एवं अंग्रेजी में उपलब्ध है। आयोग में हिन्दी पखवाड़ा 1 से 15 सितम्बर, 2020 तक आयोजित किया गया।

9. कल "गांधी जयन्ती" के संदर्भ में, मुझे राष्ट्रपिता द्वारा स्वच्छता के गुणों के बारे में कही गई एक महत्वपूर्ण कहावत याद आती है कि "स्वच्छता ही देवत्व है"। मैं आयोग में प्रत्येक व्यक्ति को पूरे मन से स्वस्थ वातावरण निर्माण का संदेश अपनाने के लिए कहना चाहता हूं।

10. जिस पर्यावरण में हम काम कर रहे हैं, वह लगातार परिवर्तित होता जा रहा है और नागरिकों एवं सरकार की हमसे अपेक्षाएं निरन्तर बढ़ती जा रही हैं । हमें अपने आप को विकसित करने और नई क्षमताओं को अपनाने की आवश्यकता है और बेहतर परिणाम पाने के लिए और अधिक पेशेवर होने की आवश्यकता है। बदलती हुई परिस्थितियों में उनके अनुरूप स्वयं को ढालने और अधिक कुशलतापूर्वक कार्य करने के लिए हमारे द्वारा शुरू की गई सुधार की नई पहल, हमारी प्रतिबद्धता की साक्षी है।

11. आज, आयोग के प्रति आदर एवं सम्मान की जो भावना है वह हमारे द्वारा किए गए कठिन परिश्रम, अपनाए गए उच्च मानकों और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अपनाई गई गरिमामय परम्पराओं के कारण है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हमारे अधिकारियों एवं स्टाफ का योगदान बहुमूल्य है और मुझे आशा है कि यह भावना भविष्य में भी बनी रहेगी।

12. आयोग के 94वें स्थापना दिवस के इस पावन अवसर पर मैं सभी के कठिन परिश्रम एवं अपने कर्तव्य के प्रति सभी के समर्पण भाव को स्वीकार करता हूं एवं हार्दिक रूप से सभी को धन्यवाद देता हूँ और आशा करता हूं कि आयोग को नई ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए हम इसी प्रकार लगातार संघर्षरत रहेंगे। मैं सभी की तंदुरुस्ती एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

"जयहिंद"

प्रदीप कु. जोशी

प्रोफेसर (डा.) प्रदीप कुमार जोशी

अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग